मेरा नाम ऐशनाये सिंह है और मैं एक भारतीय हूं। मुझे अपनी नागरिकता बताते हुए गर्व होता है क्योंकि आपकी तरह मैं भी जिस देश से हूं वह देश दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक है जिसमें बहुरंगी विविधता और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत है। इसके साथ ही यह अपने आप को बदलते समय के साथ ढालता भी है। आज़ादी पाने के बाद भारत ने बहुआयामी सामाजिक और आर्थिक प्रगति की है।

हमारा देश अन्य देशों से कैसे अलग है और दुनिया में इतने आधुनिक और विकसित देश होने के बावजूद भी भारत का नाम विश्व के मुकम्मल देशों में क्यों आता है? यह सच है कि हमारा देश आज भी गरीबी भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं से लड़ रहा है। यह सच है कि आज भी हमारे देश की महिलाओं की स्थिति, देश की स्वास्थ्य प्रणाली काफी कमजोर है परंतु हमारा देश और हमारे देश के नागरिक कभी भी संघर्ष करने से पीछे नहीं हटते और उम्मीद नहीं छोड़ते और इस ही लिए हमारा भारत भाईचारा और करुणा का सटीक उदाहरण है।

भारत में महापुरुषों से लेकर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से लेकर आज के नौजवानों में जोश है जो दृिहणता (drihnta) है वह अतुलनीय है। गत वर्ष में हमारे सामने एक बड़े अवरोध के रूप में महामारी आकर खड़ी थी लेकिन हम सब ने मिलकर सवा सौ करोड़ टीकाकरण पूर्ण किए, भारत दुनिया की सबसे प्रगतिशील अर्थव्यवस्था बना, फास्टेस्ट ग्रोइंग इकोसिस्टम का दर्जा हासिल किया साथ ही साथ दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल मार्केट बना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के अंतर्गत अब हर 1000 लड़कों में 1020 लड़कियों का जन्म हो रहा है। जहां नीरज चोपड़ा ने ओलंपिक में स्वर्ण पदक लाकर देश का गौरव बढ़ाया वहीं हरनाज संधू ने 21 सालों के बाद मिस वर्ल्ड का ताज देश वापस लाएं। हमारे देश ने आपदा को अवसर में परिवर्तित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी।

यह देश अनेकता में एकता का प्रतीक होने के साथ साथ समस्त विश्व के लिए अनगिनत क्षेत्रों में उदाहरणात्मक भी है। और इस विविधता के बावजूद भी हम सबको एक चीज़ जो बाँध कर एक प्रगतिशील देश के रूप में रखती है वह है हमारा गणतंत्र।

गणतंत्र वह शासन प्रणाली है जिसमें प्रमुख सत्ता लोक या जनता के चुने हुए प्रतिनिधियों या अधिकारियों के हाथ में होती है और जिसकी नीति निर्धारित करने का सब लोगों को समान रूप से अधिकार होता है।

“हर धर्म, हर वर्ग का यहाँ एक सा सम्मान है; सबको जोड़कर रखने वाला अपना संविधान है।”

साल 1950 में भारत का संविधान लागू किया गया था. स्वतंत्र गणराज्य बनने और देश में कानून का राज स्थापित करने के लिए 26 नवंबर 1949 को भारतीय संविधान सभा ने संविधान अपनाया था. 26 जनवरी 1950 को संविधान को लोकतांत्रिक सरकार प्रणाली के साथ लागू किया गया था. इस दिन भारत को पूर्ण गणतंत्र घोषित किया गया।

आप सभी को विश्व के सबसे बड़े गणतंत्र के 73वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
“यह बात हवाओं को बताए रखना,
रोशनी होगी चिरागों को जलाए रखना।
लहू देकर जिसकी हिफाजत हमने की,
ऐसे तिरंगे को सदा दिल में बसाए रखना।”

भारत माता की जय। वंदे मातरम।